



भाकृअनुप – केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान
श्री गंगानगर राजमार्ग, बीछवाल, बीकानेर-334 006 (राज)

ICAR-CENTRAL INSTITUTE FOR ARID HORTICULTURE

Sri Ganganagar Highway, Beechwal-BIKANER-334 006

e-mail- ciah@nic.in, www.ciah.icar.gov.in. Phone-0151-2250960 : Fax-2250145



एडवाईजरी-IV, 2021

दिनांक: 25.06.2021

खरीफ मौसम में शुष्क क्षेत्रीय सब्जीयाँ उगाने की किसानों को तकनीकी सलाह

भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान बीकानेर (राजस्थान) द्वारा देश के गर्म शुष्क क्षेत्र जैसे पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा, पंजाब व गुजरात के गर्म शुष्क क्षेत्रों में सब्जियों जैसे काचरी, फूट ककड़ी, (काकड़िया), लौकी, धारीदार तुरई, ग्वारफली, चिकनी तुरई आदि की उन्नत तकनीके विकसित की है। शुष्क क्षेत्र के किसान इन सब्जियों के उत्पादन की उन्नत तकनीकियों से खरीफ मौसम में इन्हें उगाकर अच्छा धन-लाभ कमा सकते हैं। इन सब्जियों के उत्पादन की उन्नत तकनीक के प्रमुख बिंदु निम्न प्रकार से है।

क्र. स.	सब्जी/ फसल का नाम	उन्नत किस्म	लगाने का समय	लगाने की विधि	बीज दर (प्रति हेक्टेयर)	खाद एवं उर्वरक (प्रति हेक्टेयर)	अन्य ध्यान देने योग्य बातें
1.	काचरी	ए.एच. के. - 119	जून-जुलाई	कूड़ विधि/ फंवारा विधि*	1.0- 1.5 किग्रा.	<ul style="list-style-type: none"> • गोबर खाद - 200-250 क्वि. या 5-6 ट्राली भेड़-बकरी की मेंगनी खाद • नाइट्रोजन 80-100 किग्रा. • फास्फोरस 40-50 किग्रा. • पोटाश 40 किग्रा. 	बीजों को बुवाई से पूर्व, संस्तुत रासायनिक दवाईयों या जैविक पदार्थों से उपचारित करके ही बुवाई करें। इन फसलों में कीट एवं व्याधि नियंत्रण के लिए “समन्वित कीट एवं व्याधि प्रबंधन” तरीका सर्वोत्तम रहता है। इनके प्रभावी नियंत्रण के लिए उचित फसल चक्र अपनाएँ, खेत व आस-पास की भूमि को खरपतवारों से मुक्त एवं साफ-सफाई रखें।
				नाली विधि/ बूंद-बूंद सिंचाई विधि*	500 – 700 ग्राम		
2.	फूट ककड़ी (काकड़िया)	ए.एच. एस. - 82	जून-जुलाई	कूड़ विधि/ फंवारा विधि	1.5 – 2.0 किग्रा.	<ul style="list-style-type: none"> • गोबर खाद - 200-250 क्वि. या 5-6 ट्राली भेड़-बकरी की मेंगनी खाद • नाइट्रोजन 80-100 किग्रा. • फास्फोरस 40-50 किग्रा. • पोटाश 40 किग्रा. 	रासायनिक कीटनाशी दवाओं के
				नाली विधि/ बूंद-बूंद सिंचाई विधि	1.5 – 1.25 किग्रा.		
3.	लौकी	थार समृद्धि	जून-जुलाई	नाली विधि/ बूंद-बूंद सिंचाई विधि/ फंवारा विधि	2.0 – 2.5 किग्रा.	<ul style="list-style-type: none"> • गोबर खाद - 200-250 क्वि. या 5-6 ट्राली भेड़-बकरी की मेंगनी खाद • नाइट्रोजन 80-100 किग्रा. 	

						<ul style="list-style-type: none"> • फास्फोरस 40-50 किग्रा. • पोटाश 40 किग्रा. 	<p>अलावा नीम की सूखी पत्ती व निंबोली का बारीक पाउडर बनाकर खेत के मिट्टी में मिलाएँ और इनका घोल बनाकर खड़ी फसल पर भी छिड़क सकते हैं। रोग ग्रस्त पौधे को समय समय पर निकालकर उन्हें नष्ट कर दें। उचित जल-निकास की एवं उचित नमी संरक्षण की व्यवस्था भी करें।</p>
4.	धारीदार तुरई	थार करणी	जून-जुलाई	नाली विधि/ बूंद-बूंद सिंचाई विधि	2.0 – 2.5 किग्रा.	<ul style="list-style-type: none"> • 20-25 टन सड़ी गली गोबर की खाद • नाइट्रोजन 80 किग्रा. • फास्फोरस 60 किग्रा. • पोटाश 60 किग्रा. 	
5.	चिकनी तुरई	थार तपिश	जून-जुलाई	नाली विधि/ बूंद-बूंद सिंचाई विधि	2.0 – 2.5 किग्रा.	<ul style="list-style-type: none"> • 20-25 टन सड़ी गली गोबर की खाद • नाइट्रोजन 80 किग्रा. • फास्फोरस 60 किग्रा. • पोटाश 60 किग्रा. 	
6.	ग्वारफली	थार भादवी	जून-जुलाई	छिड़काव विधि /	20 – 25 किग्रा.	<ul style="list-style-type: none"> • 20-25 टन सड़ी गली गोबर की खाद • नाइट्रोजन 80 किग्रा. • फास्फोरस 60 किग्रा. • पोटाश 60 किग्रा. 	<ul style="list-style-type: none"> • बुवाई से पहले उचित बीज उपचार करें • खेत की साफ-सफाई व उचित खरपतवार नियंत्रण करें।
				पंक्ति विधि	14 – 16 किग्रा.		

* देश के गर्म-शुष्क क्षेत्रों में वर्षा की अनिश्चितता बनी रहती है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि समय पर वर्षा न होने या वर्षा अंतराल लंबा होने पर आवश्यकतानुसार उपरोक्त सब्जियों को समय-समय पर उचित तरीके से जीवनदाई सिंचाई करनी चाहिए। अधिक जानकारी के लिए संस्थान द्वारा विकसित “थार बागवानी एप” (Thar Bagwani App) का मोबाईल से गूगल प्ले स्टोर द्वारा डाऊनलोड कर उपयोग कर सकते हैं।